(श्री सुन्दर सिंह ज०)

वोट नहीं डालने दिया। भाई, तुझे अगर आना ही था, तो हमारी तरफ़ आ जाता। भाई चह्वाण जी आ गये, तुझे भी आ जाना चाहिए था। उधर तुम्हारी कोई सुनने वाला नहीं है।

हरिजनों में तभी जान आ सकती है जब इन के अन्दर लीडरशिप मौजूद हो। ज्ञानी जो, हमारे ऊपर रहम करो, आप तो हमारे हितैषी हैं, आप का ख्याल हमारी तरफ़ है। मैं जाटों की बात करता हूं—हमारे यहां पंजाब में यह कहानी है कि *ये तो भट्टम ही भट्टा बैठा रहे हैं। आज हमें जमीदारों से जो तकलीफ है वह किस वजह से है? कांग्रेस शुरू से यह नारा लगाती रही—"लैण्ड-रिफार्म, लैंड-रिफार्म।" लेकिन हुआ कुछ नहीं, न उन्होंने कुछ किया और न इन्होंने कुछ किया, सिर्फ हमारे साथ हमदर्दी दिखालाते रहे। ये जो 980 आदमी मर गये, हरिजन बेचारे मारे गये, इस के लिए कौन ज़िम्मेदार है? इस में ज्ञानी जी का कुसूर नहीं है, कुसूर इन का है। अगर आप सिन्सीयर हों तो कोई कैसे हरिजनों को मार सकता है। आप के अन्दर सिन्सीयेरिटो नहीं है, इसी लिए हरिजन आप को वोट नहीं डालते। श्री राम जेठमलानी को रंगा साहब कहते हैं कि हमें काआपरेशन दो। आप को काआपरेशन दे कर क्या उन को मरना है? यह सीधो सी बात है। वह आप को काआपरेशन क्यों देगा। हां, श्री मधुदंडवते जी से काआपरेशन लो, तो वह दे देंगे, लेकिन वह बिल्कुल नहीं देगा। क्यों नहीं देगा, क्योंकि उस को स्मगलर्स के केस लड़ने हैं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: You can continue tomorrow. We have to take up Private Members Resolutions.

SHRI RAJESH PILOT: Some of the words in his speach should not go on record.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I will go through the speech.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up Private Members' business.

COMMITTEE ON PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

THIRTY-FIFTH REPORT

SHRI T. R. SHAMANNA (Bangalore South): I beg to move:

> "That this House do agree with the Thirty-fifth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 24th February, 1982",

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

> "That this House do agree with the Thirty-fifth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 24th February, 1982."

The motiin was adopted.

15.31 hrs.

RESOLUTION *RE.* WELFARE OF CONSRUCTION WORKS— Conted.

MR. DEPUTY-SPEAKER: We shall no take up further consideration of the resolution re; welfare of construction workers moved by Shri M. M. Lawrence on 18th December, 1981.

SHRI M. M. LAWRENCE (Idukki): The construction workers in India are the most exploited lot of our working people. Though about 4 million workers are engaged in various activities of construction in several projects the rondition of these workers is miserable and shocking. There is no security of employment. As soon as the contract ends or the work is comple-